

रामिमाया॥ ॥ ॐ ह्रीं क्लीं
ह्रिं क्लीं ॥ ॐ वृं क्लीं वृं क्लीं
स्त्रोहा॥ ॐ ह्रीं क्लीं ह्रीं क्लीं
ॐ ह्रीं क्लीं ह्रीं क्लीं ॥ ॥

ॐ स्वाहायर्थनायदत्त ॥
साखिनासदायकृपायुक्ता
येदाकया ॥ ॐ श्रीसिद्धि
सा ॥ नागनाय ॥ ॐ नाग

म। रुयुकासादसर्वनामा
द्वैरुदस्वाहा ॥ ॐ न
॥ ॐ वाग्यसासि ३ कृ
त्वं ३ स्वाहा ॥ न घूयविष्णुयि

पाल्याहिदुयाथ.भा.लपू
य.लैखलैकहिद॥ ॥
हंसगुयेध१००.धेलनूय
क.मवूनसा.ग.का.नूयया

हंभालसगभा.जा.वूयक॥
मिहायानाकायाव.गु.नू.आ
ग्याधक.श्रूया.मा.ग.हा.विय
लनक॥भा.जा.वू.यक॥ ॥

उं स्वत्रयक आग्निर्ह
हृत्वा हा धा न देव वयुय वि
हेति नैवय ॥ ॥ ॐ व ज वा
नाहिक ह र ग ई हृत्वा

हा धा न स्या क थ स का दय
य व द या हि द ॥ ॥ कि मि
म ल नै वयु क र ई हृत्वा हा
इ धा न वि ज य ज य न कै कि

या॥ ॥ डंचकावलुनसाय
इधनवादाननशिस्य
यमालस्याका॥ ॥ डंकीन
इसकेकीनस्वाहाधल॥

धूलनसीवायुय॥ ॥ जिल
खानिदावानकीनकवास्या
कयाहि॥ ॥ डजयवीश्रु
यनाजिनस्वाहा॥ यनश्रु

न नृयध १ ॥ मलु ३१ स्वधि
न्यागक ॥ ॥ ३६ लिगीन
॥ ३७ मय मय व वाणाय
युकादवी च युकादवी

का काम नृयध नृडमलु
न्याय नृडमलु का का क
नय नृयध नृयध नृयध
नृयध नृयध नृयध नृयध

यं तु गमयी दी य वा क्वा म
वा क्वा दी या गमयि वा गय न
म न ह ग म म न न ग य न
का म नू द ग का मा हु क्वा द

वी कि वा वा यु न की ग कि
भ वि रु कि क न य म नू हु
य वा वा न वा हा ॥ ध न वि
य व वा सी न क ॥ वि रु न

कथयाददयासमे॥धनः
मलिसावाजानातिवृत्त
नमाननययासनेकी॥इ
इमवियाहि॥॥इइध

कलयाकीलसमूहयमान
यायायैवाहा॥इइहावसि
रुनयावसलधनकयन
येनके॥इइमविवविजी॥

उं हं किं की ला हा मू र्धा कू
दे रु ट ला हा ॥ श्री ३ ॥ ग लि स्वा
म वृ म नि र्ध वा ल कू र्वा हा
दा वे सु य ग न न म् श्री दि त्य कू

कू कू कू धू य ध न गु गु ध व
गू न क व न्ध ॥ ॥ उ क्ता धू म
व न जी कू व ल ग्व ॥ श्री ३ ज य
कू प्र खू लि जि न्धा ग ल ध न म

ननरालयनचयहृदया
दमनहृदयमिव, स्याकथ
सकायालनयस्यथनान
दायलाव॥ ॥ धलश्रुव

लधालधालाव(धो)कवाव
हलमनहृदयनीवाव॥ ध
नलेधोअयलयालसति
यद्विद्विय॥ ॥ उं कथया

विलिखनयायी विलिमिद
मित्रं देवयिनिलस्वाहा
॥ ५३ ॥ येलयावथुमशान
यूयवामउक ॥ ॥ ॐ भगमि

मगभूथानाकुदरुदस्वाहा
ॐ वा ॥ ५३ ॥ लहोदुहयाद
द्यालसमियदिचिथी ॥ ॥
ॐ नवावइनयावमादाय

वावयुर्थिजावनया कालाह
निहृद॥ धनऊययाह्यस्वा
नयुयमालनयुदया माल
ह्यावाथह्यापूय॥ ॥ उंम

रुमर्युगुमरुमागुरुमावी
लकलीननमकिमिवागया
सिद्धिगुनूग्या॥ धनगुहि
नमाउनयायलह्यास्वदूयि

वावया नूडाक नदाय धूल
 हाते नव ॥ ॥ ॐ नानि सवा
 निमवेय कनाजा रुद्र सुखा
 धाल १ काकनी माल नयाय

लेखन यलय भव माल नव
 सखायी भव रुद्र सम लल
 पृथया लिख ॥ अथ य कवि
 रुद्रवा लाव भान क मय वा

नादि वा स्या कया रि ॥ ॥
ॐ मे लूकल र कुनू स र स्वाहा
म १ ध ले ज य ल य हु नु से मे मो
व तु नू लि का यो ॥ ॥ वी क य

संकाट नित्य सित्य ह्ना ला म
ख ले मं नु यु ग मं स्वा हा ॥ क्र स
स स्वा न धू य रं गा दि दू द्या
हा ॥ ॥ उं रु का त्रि ग दि ग ना



विमसाविषमालूनकोनविः
वमान्न नित्रकं धि विषमार्न
लत्रघाविषमार्न सहसावि
वमान्न लंगीयाविषमार्न

सिंघियाविषमार्न कालिक
ठविमार्न मरुविषमार्न ल
कचकयाभाविषमार्न धा
यभा विषमार्न धीयामा ल

यागा यं जायागा विषमा नू
जलका विरुलका विरुल
की गकि माहा दतकी गकि
मात्रयिकी गकि मूदिनिका

गकि विषाड विषाड
विषकी सखा माड विषमा
लिगम वप्रमा टिकनू सनाका
टिगुकाडागनू सिनलसखो

यागा यं वा यागा विषमात्र
जलका विरुलका वि लुन
की गकि मा हा द वकी गकि
मात्रयिकी गकि मूदिनिका

गकि विषवार विषवार
विषकी सय्या माउ विषमा
लिग्न वत्र माटिक नू स नाका
टिगु कडा गनू सिन ल सय्यो

विष्णु उं गिव गकि विष ना
स्मि विष न सि विष ना स्मि
विष समा के या गाल नो हा
॥ को सख ल न जाल न या य

समस्त विषयी हि द विन द
क मा दि उ द ॥ ॥ श्री माता
देव वा रा जा जल वी खिला हा
द कि भ मा खा था वी न ग लो खा

थानिर्विहा॥ धन कायमल
नमालनमनुसिंहाविंहा
कया॥ ॥ सददवमददव
इयिराथिमलाखाथानिर्वि

ममशाखाथाविगलधनमा
लनसिसदायकागललन
धुंदाकया॥ ॥ लाहातिर
मलाथाविकाहागथारसाग

समूहं कान नाखियुखाय
निन लेनयउरुनिनिनंमूव
ल्याकामूउकाठनमिउकाठ
नयिदकाठनकाउवदिल्या

काउइंखाहा॥ ५१ साका
विककाय॥ ॥ समूहवनि
नथकातवाववुसिनामय
वाहुनभेलाह्यासहानमि

पूण्ड्र नृगम नृगम नृगम नृगम नृगम
यसि नृगम नृगम नृगम नृगम नृगम
दिउ त्रि नृगम नृगम नृगम नृगम नृगम
विद्या दिखू त्रि नृगम नृगम नृगम नृगम

व नृगम नृगम नृगम नृगम नृगम
धर्म लु शाठ मवा सी ह नृगम नृगम
हा ल्य ह यु को न वि स्य । दि धा
त स म र्व कं धा य ॥ नृगम नृगम

लिया स्वायसाय मरुत्या
 पण्डक कायांति ॥ मडो वने
 नूखासंतयड नखजवलया
 इ ॥ ॥ धरु रुत गमथसम

१	२	७	८
७	८	१	२
८	७	२	१
२	१	८	७

क्रवि. क्रवि
 पुत्राकधात
 विल्य सास्वास
 गखोननायसा

मममहत्याहिह॥ ॥ ॥
वासवाधवायदथ॥ ॥ ॥
सनामवायकाभेद॥ ॥ ॥
कुशायधनकाखायकमाया

माक्षायधनकायाहि॥ ॥ ॥
हदामुल्यापाइल्याहुनाय
काहागजाविहोवनगका
हाकादिमुकादिहिल्याका

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
स्य कर्त॥ ॥ स्वाहा स्वाहा
स्वाहा स्वाहा ॥ ॥ स्वाहा स्वाहा
स्वाहा स्वाहा ॥ ॥ स्वाहा स्वाहा

स्वाहा स्वाहा ॥ ॥ स्वाहा स्वाहा
स्वाहा स्वाहा ॥ ॥ स्वाहा स्वाहा
स्वाहा स्वाहा ॥ ॥ स्वाहा स्वाहा
स्वाहा स्वाहा ॥ ॥ स्वाहा स्वाहा

अनिमकनयास्येधकार्य
सिद्धस्यमानधर्कयूगावा
दगाथसतिककुसुथना
हानतास्येधहासिकास्ये

हं धहासिनमससादा
यकुसुधवनंस्वसिन्गा
नकधुपथनेमालेदक
कयवैयर्णिमानधम

सा नरुलागदका उाड ॥
यकासदाकविमससा
या ग्वति सिनागदका
उाड ॥ ॥ धरुचिनुव

यास्यनखगस्यधुलिइ
कास्यमानकसाकुता
सिनाग नसासुनलाया
हेड ॥ ॥ विनियहन

मन्त्रदिस्यै वाचकं खन
त्रा ग तु दा व उ द ॥
य नूर के ना श्री उखा व स त
स्यै नूय के म नु ॥ म स्य सि द

ये वा मू जि तु ह र य नू मा धा
म ३ ॥ का ग य ॥ ॥ कि सि
के लु से न व या दा क
के ॥ य नूर के ना धा त दा

मयं धृतिरुक्तं कासमथ
न मित्रासथ न मित्राभव
नयस्वदुर्गा मि साहायस
क कर्षुधाकावर्षु कर्षु

धर्मलानुवीं ॥ वायुध
यैयमायकं कर्षुध नृपमहा
नैयमायकं कर्षुध नृपमहा
नैयमायकं कर्षुध नृपमहा
नैयमायकं कर्षुध नृपमहा